NIPER
RAEBARELI

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान

नाईपर, रायबरेली

अंक, अक्टूबर-दिसंबर 2023

न्यूजलेटर

SPECIAL COVERAGE

जनजातीय गौरव दिवस

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, रायबरेली
ट्रांजिट कैंपस : बिजनौर-सिसेंडी रोड, सरोजनी नगर, लखनऊ-226002 (उ.प्र.) भारत

विषयसूची

जनजातीय गौरव दिवस	SPECIAL COVERAGE	1-3
समाचार एवं कार्यक्रम		4
अनुसंधान और नवाचार		5
ज्ञानवर्धन		6
सफलतायें		6
मीडिया में नाईपर		7

SPECIAL COVERAGE

जनजातीय गौरव दिवस 2023 समारोह का आयोजन

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर), रायबरेली में आदिवासी समुदायों की संस्कृति, विरासत और गरिमा का सम्मान करने के लिए 'जनजातीय गौरव दिवस 2023' मनाया गया। आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के सम्मान में देश में 15 नवंबर का दिन "जनजातीय गौरव दिवस" के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य आदिवासी समुदायों के कल्याण को बढ़ावा देना है। साथ ही उनकी चुनौतियों को उजागर करते हुए समुदायों के उत्थान के अवसर प्रदान करना है। कला, संस्कृति एवं खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में जनजातियों के योगदान का संपूर्ण देश में प्रसार करना भी "जनजातीय गौरव दिवस" का उद्देश्य है।

"जनजातीय गौरव दिवस" के अवसर पर नाईपर-रायबरेली में 15 से 26 नवंबर 2023 तक एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह के तहत आदिवासी समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाली पोस्टर प्रदर्शनी, भाषण प्रतियोगिता और समुदायों द्वारा प्रयोग किए जाने वाले औषधीय पौधों पर प्रस्तुति दी गई। इन कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

1. डिजिटल/कलाकृति पोस्टर प्रदर्शनी : 15-22 नवंबर, 2023 तक (आदिवासी समुदाय का प्रतिनिधित्व)

2. भाषण प्रतियोगिता: 20 नवंबर 2023
विषय: आदिवासी समुदाय के प्रमुख व्यक्ति/प्रसिद्ध व्यक्ति

3. प्रस्तुति प्रतियोगिता : 24 नवंबर, 2023
(आदिवासी समुदायों द्वारा उपयोग किए जाने वाले औषधीय पौधे एवं दवाएं)।

डिजिटल/कलाकृति पोस्टर प्रदर्शनी

आदिवासी समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हुए सभी विभागों के छात्र-छात्राओं ने डिजिटल/कलाकृति पोस्टर प्रदर्शनी में भाग लिया। यहां विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए पोस्टर प्रदर्शित किये जा रहे हैं।

पार्थ कुमार

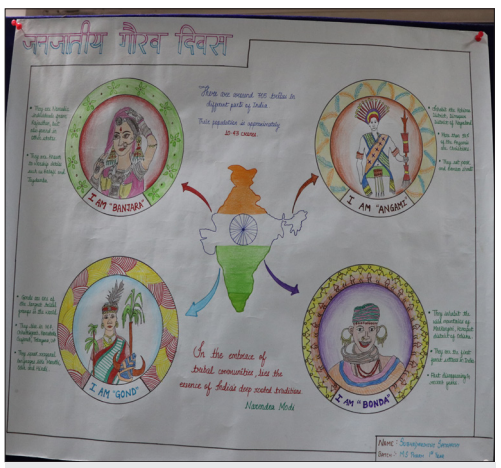

सुभद्राशिनी शतपथी

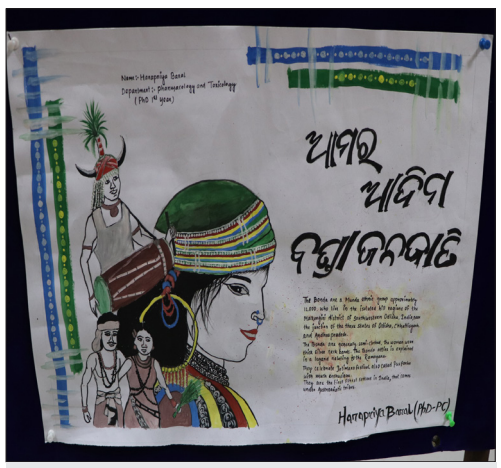

हरप्रिया बराल

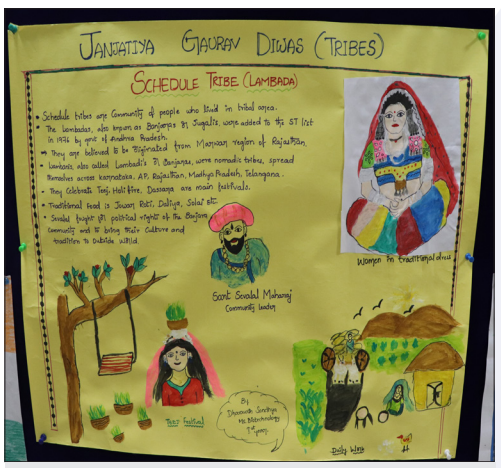

धारावत संध्या

आकाश कश्यप

अर्चना भट्ट

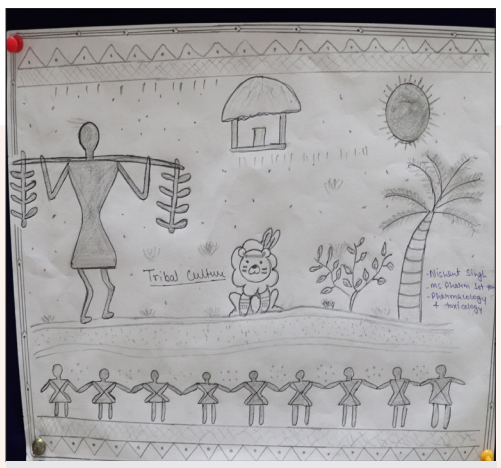

निशांत सिंह

रुलुजा निकम

दिवांशु सक्सैना

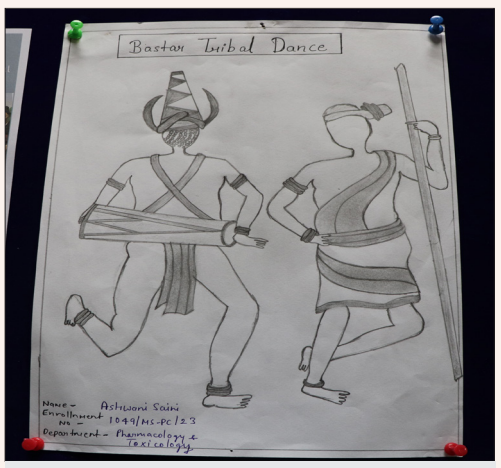

अश्विनी सैनी

शिंदे ज्ञानेश्वरी

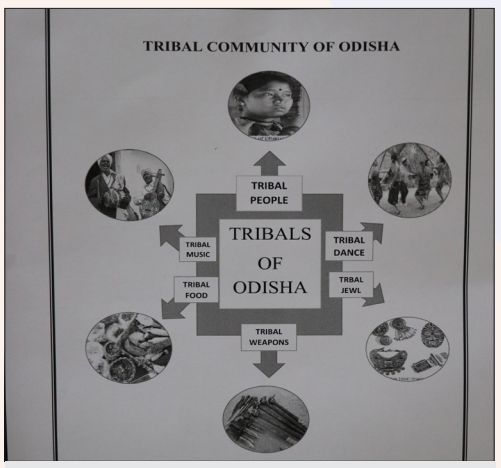

रघुनाथ प्रसाद

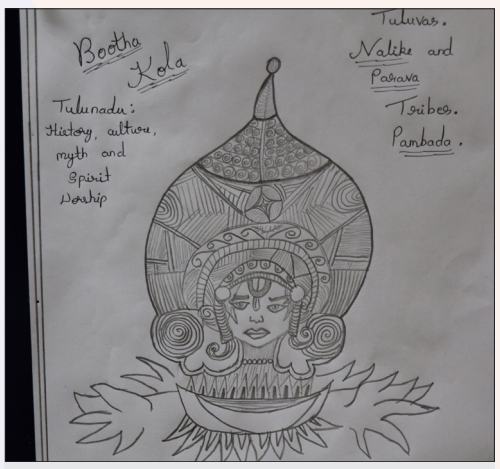

तेजस कुमार ए.

आसिया सलीम बगवान

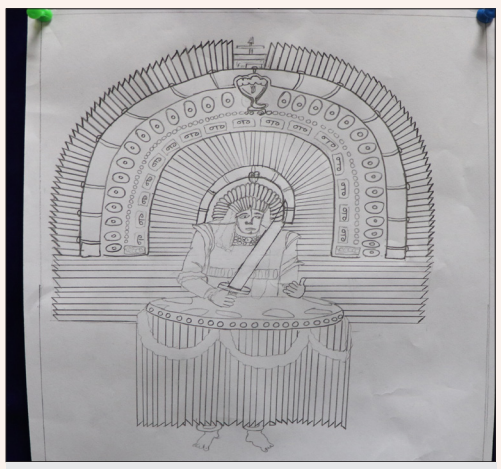

प्रतिमा विनायक

दिव्यांशु त्रिपाठी

SPECIAL COVERAGE

आदिवासी समुदाय के प्रमुख व्यक्तियों पर भाषण प्रतियोगिता

'तीसरे जनजातीय गौरव दिवस 2023' समारोह के हिस्से के रूप में नाईपर-रायबरेली ने 'आदिवासी समुदाय के प्रमुख व्यक्ति/प्रसिद्ध व्यक्ति' विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। बाद में विद्यार्थियों को कार्यक्रम में उनकी भागीदारी के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र दिए गए। एमएस. फार्म (बायोटेक्नोलॉजी) की छात्रा दीपाली डोंगरे ने आदिवासी क्रांतिकारी बाबूराव शेडमाके के जीवन संघर्ष पर प्रस्तुति देकर प्रथम पुरस्कार जीता। रीन सुब्बा (एमएस फार्माकोलॉजी एंड टॉक्सिकोलॉजी - द्वितीय वर्ष) को दूसरा और विवेक (एमएस मेडिसिनल केमिस्ट्री - प्रथम वर्ष) को तीसरा स्थान मिला।

अपने भाषणों में संस्थान के विद्यार्थियों न केवल प्रसिद्ध आदिवासियों को स्वतंत्रता संग्राम की जीत का नायक घोषित किया, बल्कि वर्षों चले संघर्ष की पृष्ठभूमि में धुंधले पड़ गए कई सेनानियों के योगदान पर भी प्रकाश डाला।

विद्यार्थियों द्वारा दिये गये भाषण के कुछ अंश यहां प्रदर्शित किये जा रहे हैं।

"श्री तिलका मांझी ने अंग्रेजों के खिलाफ एक खुला विद्रोह शुरू किया, जिसमें उन्होंने ब्रिटिश शासकों के संसाधनों द्वारा हड़पी गई सामग्री को शोषण के खिलाफ लड़ रहे आदिवासियों के एक सशस्त्र समूह को उपलब्ध कराने का फैसला किया।

- अंजू, एमएस. फार्माकोलॉजी एवं टॉक्सिकोलॉजी (प्रथम वर्ष)

"बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश राज को धमकी देने के लिए नारा दिया था - 'अबुआ राज एते जाना, महारानी राज टुंडू जाना'। ("रानी का राज्य ख़त्म कर हमारा राज्य स्थापित किया जाये।")

- भाविनी सराफ, इंटिग्रेटेड पीएचडी (प्रथम वर्ष)

"क्रांतिसूर्य बाबुराव शेडमाके 3 साल की उम्र मे मल्लयुद्ध, तीरकमान, तलवार, भाला चलाने मे प्रशिक्षित हुए थे। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ 'जंगीम सेना' की स्थापना की। इस सेना से लड़े गए तीन युद्ध अंग्रेज सैनिक हार गए। इसके बाद अंग्रेजी शासन ने बाबुराव की जिंदा या मुर्दा पकड़ने का फरमान जारी किया।

- दीपाली डोंगरे, एमएस बायोटेक्नोलॉजी (द्वितीय वर्ष)

"हेलेन की कहानी आदिवासी समुदायों के भीतर पाए जाने वाली हिम्मत और अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। 15 साल की छोटी सी उम्र में उन्होंने स्कूल छोड़कर चरखा और खद्दर आंदोलन में शामिल होने का साहसिक निर्णय लिया।

- रीना सुब्बा, एमएस फार्माकोलॉजी एवं टॉक्सिकोलॉजी (द्वितीय वर्ष)

"बाबा तिलका मांझी ने 1771 से 1784 तक अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया। पहाड़िया सरदारों के साथ संयुक्त मोर्चा बनाकर अंग्रेजों से रामगढ़ कैंप छीन लिया। 1784 में तिलका मांझी ने राजमहल के मजिस्ट्रेट ऑगस्टस क्लीवलैंड की हत्या कर दी। - ज्योति वर्मा, एमएस, फार्माकोलॉजी एवं टॉक्सिकोलॉजी (द्वितीय वर्ष)

"आदिवासियों का संघर्ष अट्ठारहवीं शताब्दी से चला आ रहा है। सन 1895 से 1900 तक बिरसा मुंडा का महाविद्रोह 'ऊलगुलान' चला। केवल 25 वर्ष के जीवन में उन्होंने इतने मुकाम हासिल कर लिए थे कि आज भी भारत की जनता उन्हें याद करती है। संसद में एकमात्र आदिवासी नेता बिरसा मुंडा का चित्र लगा हुआ है।

-प्रियंका अरोड़ा, एमएस फार्मास्यूटिक्स (द्वितीय वर्ष)

"राजमोहिनी देवी जी एक भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता थीं। उनका जन्म देश में छत्तीसगढ़ राज्य के सरगुना जिले के एक छोटे से गाँव में हुआ था। वह भारत के आदिवासी समुदायों, विशेषकर मणिपुर राज्य में एक प्रमुख व्यक्ति थीं।

- शिवम त्यागी, एमएस, रेगुलेटरी टॉक्सिकोलॉजी (द्वितीय वर्ष)

"ग्लैडसन डुंगडुंग देश के लोगों के अधिकारों की तलाश में आशा की किरण और दृढ़ता के प्रतीक के रूप में खड़े रहे। एक छोटे से आदिवासी समुदाय से वैश्विक मंच तक की उनकी यात्रा समाज में बदलाव लाने की शक्ति का प्रमाण है।

-हेमंत सोनी, एमएस, फार्माकोलॉजी एंड टॉक्सिकोलॉजी (द्वितीय वर्ष)

"1894 में बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध का ऐलान कर दिया और इस प्रकार मुंडा उलगुलान की शुरुआत हुई। 19वीं सदी में भारत में आदिवासियों और किसानों के विभिन्न विद्रोहों में से यह आदिवासियों का एक बहुत ही महत्वपूर्ण विद्रोह है।

-तुषार मिश्रा, एमएस, फार्माकोलॉजी एंड टॉक्सिकोलॉजी (द्वितीय वर्ष)

"मध्यप्रदेश के जननायक टंट्या भील आजादी के आंदोलन के उन महान नायकों में शामिल हैं, जिन्होंने आखिरी सांस तक फिरंगी सत्ता की ईंट से ईंट बजाने की मुहिम जारी रखी थी। टंट्या को आदिवासियों का रॉबिनहुड भी कहा जाता है क्योंकि वह अंग्रेजों से लूटे गए माल को शोषित आदिवासियों में बांट देते थे।

-आकांक्षा चतुर्वेदी, जेआरएफ, फार्मास्यूटिक्स

आदिवासियों द्वारा उपयोग किये जाने वाले औषधीय पौधों की प्रस्तुति

भारत के जनजातीय समुदायों को औषधीय पौधों का समृद्ध पारंपरिक ज्ञान है। इस ज्ञान की बदौलत आज देश में आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में भी स्वदेशी प्रथाएं संरक्षित बनी हुई हैं॥ नाईपर-रायबरेली के विद्यार्थियों ने आदिवासी समुदायों के उत्थान और समाज की बेहतरी के लिए उनके औषधीय ज्ञान को प्रसारित करने का कार्य किया। संस्थान में आयोजित एक प्रस्तुति प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने आदिवासी समुदायों द्वारा उपयोग किए जाने वाले औषधीय पौधों और दवाओं को प्रस्तुत किया। प्रेजेंटेशन में छात्रों ने इस बात पर जोर दिया कि आदिवासी समुदायों के औषधीय प्रयोगों का उपयोग चिकित्सा उन्नति और आम लोगों के लिए भी लभादायी हो सकता है। इस तरह आदिवासी औषधीय ज्ञान को आम लोगों के बीच प्रचारित करने की आवश्यकता है।

विद्यार्थी का नाम एवं विभाग	जनजातियाँ एवं क्षेत्र		औषधीय प्रस्तुति
अंकित (मेडिसिनल केमिस्ट्री विभाग)	कुरुमा, कानी, पल्लियार, (तमिलनाडु और केरल)		आर्जीमोन मेक्सिकाना, अकलिफा इंडिका, जस्टिसिया एडहाटोडा, टर्मिनलिया चेबुला, सिपाडेसा बैसीफेरा, अल्पिनिया गैलांगा
भाविनी सराफ, आई.पीएचडी	(पश्चिमी हिमालय, कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड)		चोरा, तगर, कुठ, मंजिष्ठा, पाषाणभेद
अर्चना अल्लिकायला पीएचडी स्कॉलर (फार्मास्यूटिक्स विभाग)	कचारी, मिरी, राभा, आदि, न्यीशी, अपातानी, मोनपा, वांचो, नागा, गारो और खासी (भारत का पूर्वी क्षेत्र)		उसिपाक, तालिशपत्र, लाटुमोनी, अपामार्ग, वत्सनाभ, हंसराज, बेल, लाटुमोनी, तालामुली
हेमन्त सोनी, एमएस. फार्म, द्वितीय वर्ष (फार्माकोलॉजी और टॉक्सिकोलॉजी विभाग)	लाहुल, लेप्चा, भोटिया, थारू, बक्सा, जौनसारी, खम्पा, भोक्सा, गुज्जर और कनौता (भारत का उत्तरी क्षेत्र)		अतीस (एकोनिटम हेटरोफिलम), लहसुन (एलियम सैटिवम), पाषाणभेद (बर्गेनिया लिगुलटा), पुष्करमूल (इनुला रेसमोस)
सनकू झाँसी एमएस. फार्म (बायोटेक्नॉलजी विभाग)	गुजरात राज्य के पंचमहल जिले और डांग जिले के आदिवासी समुदाय		टर्मिनलिया बेलिरिका, सिडा कॉर्डिफ़ोलिया, एडिना कॉर्डिफ़ोलिया, अमोर्फोफैलस पेओनीफोलियस
सुप्रिया समला एमएस. फार्म (फार्मास्यूटिक्स विभाग)	आदि और खाम्ती जनजाति (भारत का पूर्वी क्षेत्र)		काली हल्दी
पार्थ कुमार (रेगुलेटरी टॉक्सिकॉलॉजी विभाग)	किरात, थारू, भोक्सा और भोटिया जनजाति (हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड)	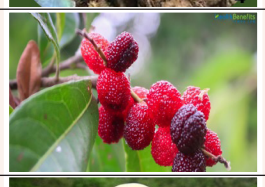	स्वर्टिया चिरायता, काफल, बाना, खटीमल,
प्रधुम् कुमार (फार्माकोलॉजी एवं टॉक्सिकोलॉजी विभाग)	चेरो जनजाति (झारखंड, उत्तर प्रदेश और बिहार)		नीम, तुलसी, हल्दी, गिलोय, आंवला
प्राजक्ता घुमे, एमएस. फार्म (रेगुलेटरी टॉक्सिकोलॉजी विभाग)	गद्दी (हिमाचल प्रदेश), गुज्जर (उत्तराखंड), भूटिया (सिक्किम), भील (राजस्थान), थारू (यूपी)		गुग्गुल, अश्वगंधा, कॉर्डिसेप्स साइनेंसिस, गुडूची, सफेद मूसली, टायरखांग खिललाई, सोहबीरथिट
रघुनाथ प्रसाद त्रिपाठी, एमएस. फार्म (रेगुलेटरी टॉक्सिकोलॉजी विभाग)	जयन्तिया जनजाति (उत्तर भारत)		ऐमारेन्थेसी, एकैन्थेसी, एस्टेरसी, एपोसिनेसी, ज़िंगिबेरासी, अरेसी, लिलियासी, एकैन्थेसी, बिगोनियासी
राशि राठौड़, एमएस. फार्म (बायोटेक्नॉलजी विभाग)	गोंड, भील पावरा, तड़वी गावित, मावची, वसावे और नंदुरबार जनजातियाँ (महाराष्ट्र)	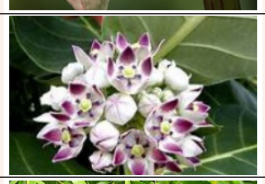	फ़िकस हिस्पिडा एल.एफ, टर्मिनलिया बेलिरिका, गमेलिना आर्बोरिया, कैलोट्रोपिस प्रोसेरा
रीना सुब्बा, द्वितीय वर्ष एमएस. फार्म (फार्माकोलॉजी एवं टॉक्सिकोलॉजी विभाग)	गिद्दी जनजाति (हिमाचल प्रदेश)		एगल मार्मेलोस
सचिन भीमराव एमएस. फार्म (फार्मास्यूटिक्स विभाग)	बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, अंडमान और निकोबार के आदिवासी		गौर पाठा, संभलू, हल्दू, मुनगा, सेपरी
सुकुरु चिन्ना रेड्डी, (फार्मास्यूटिक्स विभाग)	पूर्वी क्षेत्र का जनजातीय समुदाय		टिनोस्पोरा कॉर्डिफ़ोलिया

समाचार एवं कार्यक्रम

स्वच्छता के लिए विशेष अभियान 3.0

स्वच्छता अभियान को एक नई दिशा देने के लिए विशेष अभियान (एससीडीपीएम 3.0) के तहत राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर), रायबरेली में 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2023 तक "विशेष अभियान" चलाया गया। इस दौरान विभिन्न गतिविधियां की गई हैं। संस्थान के बाहरी परिसर क्षेत्र को साफ करने के लिए स्वच्छता अभियान चलाया गया। नाईपर-रायबरेली की टीम ने बिजनौर-सिसेंडी रोड, सरोजिनी नगर, लखनऊ में एक पेट्रोल पंप के पास सफाई की।

अभियान के दौरान लगभग 500 किलोग्राम स्क्रैप कार्डबोर्ड की पहचान की गई है, जिसका बाजार दरों पर अनुमानित मूल्य पता करके इसके निस्तारण की प्रक्रिया भी पूरी की गई। परिसर और छात्रावास परिसर दोनों में फर्स्ट एड बॉक्स में नई सामग्री रखी गई। पुरानी व एक्सपायर हो चुकी दवाओं का उचित तरीके से डिस्पोज किया गया। छात्रों और कर्मचारियों दोनों के उपयोग के लिए नई पट्टियाँ, रूई और दवाएँ उपलब्ध कराई गईं।

इन गतिविधियों के साथ नाईपर-रायबरेली के संकाय सदस्यों और स्टाफ ने कमलापुर में निकटतम स्कूल का दौरा किया। स्कूली विद्यार्थियों के बीच स्वस्थ भविष्य को आकार देने के लिए स्वच्छता को पूर्ण रूप से अपनाने का संदेश दिया गया। प्राथमिक विद्यालय परिसर में फॉगिंग भी अभियान चलाया गया।

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकथाम सप्ताह

नाईपर-रायबरेली में 4 से 9 दिसंबर, 2023 तक कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकथाम सप्ताह मनाया। इस संबंध में, संस्थान के कर्मचारियों और छात्रों के लिए यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 पर एक इंटरैक्टिव कार्यशाला आयोजित की गई। डॉ. आभा शर्मा ने उपस्थित लोगों को जागरूक किया।

दिवाली समारोह में लक्ष्मी पूजा की झलक

कैंपस में नवरात्रि के उपलक्ष पर गरबा नाइट का आयोजन

अधिक पारदर्शिता लाने के लिए प्रतिबद्ध प्रयास

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर), रायबरेली ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023 मनाया। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर, संस्थान के संकाय और स्टाफ ने एकता शपथ ली। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत भी संकाय और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा शपथ भी दिलाई गई। सभी ने एक साथ मिलकर अधिक पारदर्शिता लाने के लिए प्रतिबद्धता जाहिर की।

नाईपर-रायबरेली के डीन रूस की पर्म स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा "मानद प्रोफेसर" की उपाधि से सम्मानित

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर), रायबरेली के डीन डॉ. संदीप चौधरी को रूस के एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय, पर्म स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा "मानद प्रोफेसर" की उपाधि से सम्मानित किया गया। 10 से अधिक वर्षों तक डॉ. चौधरी ने रूसी सहयोगी प्रोफेसर इरीना वी. माशेव्स्काया, डीन और प्रोफेसर, कार्बनिक रसायन विज्ञान विभाग, रसायन विज्ञान संकाय, पर्म स्टेट यूनिवर्सिटी के साथ कई राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा वित्त पोषित शोध परियोजनाओं पर काम किया है। डॉ. चौधरी ने मुख्य रूप से कई देशों की वैज्ञानिक टीमों के साथ एंटीकैंसर कीमोथेरेपी के क्षेत्र में नई फार्मास्यूटिकल रूप से विशेषाधिकार प्राप्त बायोएक्टिव हेटरोसायकल/चिकित्सीय/दवाओं की खोज और खोज पर शोध किया है। अब, भारत और रूस के बीच सहयोग को अल्जाइमर रोग के इलाज के लिए नए बायोएक्टिव अणुओं के विकास की दिशा में आगे बढ़ाया गया है, जो एक न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारी है जो डिमेंशिया और स्मृति और सोचने की क्षमता के नुकसान का कारण बनती है।

3 शिक्षकों ने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय की शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की प्रतिष्ठित वैश्विक सूची में स्थान हासिल किया

नाईपर, रायबरेली के 3 फैकल्टी सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल की है। तीनों शिक्षकों ने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय की शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की प्रतिष्ठित वैश्विक सूची में स्थान हासिल किया है। इनमें फार्माकोलॉजी एवम टॉक्सिकोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राकेश सिंह, फार्मसूटिक्स विभाग की एसिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कीर्ति जैन और फार्मसूटिक्स विभाग के एसिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर राहुल शुक्ला शामिल हैं।

नाईपर - रायबरेली के प्रोफेसरों की इस उपलब्धि पर संस्थान का कहना है कि यह विश्व मंच पर नाईपर की टीम द्वारा किए गए उत्कृष्ट शोध योगदान का एक प्रमाण है। नाईपर की डारेक्टर प्रोफेसर शुभिनी ए. सराफ ने कहा, "यह उपलब्धि नाईपर, रायबरेली में अपनाए गए असाधारण शोध मानकों को दर्शाती है। यह हमारे संस्थान को उत्कृष्टता के वैश्विक पटल पर स्थापित करती है और हमें बेहद गर्व से भर देती है।"

अमेरिका स्थित दुनिया की टॉप स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की सूची में भारत के लगभग 3,500 शोधकर्ताओं को शामिल किया गया है, जो वैश्विक अनुसंधान परिदृश्य पर देश के विद्वतापूर्ण प्रयासों के महत्वपूर्ण प्रभाव को उजागर करता है।

सीएसआईआर-आईआईटीआर, लखनऊ और मेडिकलाइन क्लिनिकल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन

पर्यावरण, टॉक्सिकॉलॉजी, नैनो मैटीरियल्स, इनविवो एवं इनविट्रो स्टडी, फूड ड्रग्स और केमिकल टॉक्सिकॉलॉजी के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए नाईपर-रायबरेली और सीएसआईआर-आईआईटीआर, लखनऊ के बीच 10-12-2023 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

इसके अलावा 19-10-2023 को नाईपर-रायबरेली और मेडिकलाइन क्लिनिकल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के बीच वैज्ञानिक स्टाफ के आदान-प्रदान, कई क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान करना, क्लीनिकल ट्रायल करना, क्लीनिकल मॉनिटरिंग सर्विस, मेडिसियल राइटिंग सर्विस, स्टैंडअलोन एनालिटिकल एंड क्लीनिकल सर्विस, ट्रेनिंग, वर्कशॉप, सिमपोसिया आदि के क्षेत्रों में मिलकर कार्य करने पर सहमति बनी।

अनुसंधान और नवाचार

Team of Institute published Research article in Journal of Physical Chemistry B entitled "Nile Blue: A Red-Emissive Fluorescent Dye That Displays Differential Self-Assembly and Binding to G-Quadruplexes''

Dr Saba Naqvi's research team article accepted in nanomedicine entitled "Age dependent assessment of selenium nanoparticles: biodistribution and toxicity study in young and adult rats"

Team of Dr. Gopal Lal Khatik, Dept of Medicinal Chemistry published A Review Article entitled "Recent advancements in the treatment of Alzheimer's disease: A multitarget-directed ligand approach" in Current Medicinal Chemistry

Dr. Rahul Shukla's Team published A Review Article entitled "Combining Donepezil and Memantine via mannosylated PLGA nanoparticles for Intranasal delivery: Characterization and preclinical studies" in Biomaterials Advances, Elsevier

Dr. Awesh K. Yadav's research group published a review article entitled "Repurposing and Clinical Attributes of Antidiabetic Drugs for the Treatment of Neurodegenerative Disorders" in European Journal of Pharmacology (Elsevier).

Dr. Sandeep Chandrashekharappa and his research team published an IOPScience book chapter entitled "Graphene-based Sensing Platform for Analysis of Food Flavours and Additives"

Team of Dr. Rakesh K. Singh published a research article "Neuroprotective responses of quercetin in regulation of biochemical structural and neurobehavioral effects in 28-day oral exposure of iron in rats" in "Toxicology Mechanisms and Methods" Journal:

Dr. Rahul Shukla's research group Review Paper accepted in Molecular Neurobiology Journal entitled "Nano-Mediated Molecular Targeting in Diagnosis and Mitigation of Wilson Disease''

Dr. Keerti Jain's research group Research article accepted in AAPS PharmSciTech Journal entitled "One platform comparison of polymeric and lipidic nanoparticles for the delivery Amphotericin B"

Dr. Rahul Shukla's Team published A Research Paper entitled "ApoE3 Anchored Stealth-Liposomal Delivery of Rivastigmine for Brain Delivery: Formulation, Characterization and in vivo Pharmacokinetic Evaluation" in "AAPS PharmSciTech" Journal.

Dr. Abhishek Dey published a research article entitled "Structural Modifications and Novel Protein-Binding Sites in Pre-miR-675—explaining Its Regulatory Mechanism in Carcinogenesis" in "non-coding RNA" Journal

Dr. Keerti Jain's research team Review Article entitled "Role of Angiogenesis and its Biomarkers in Development of Targeted Tumor Therapies" accepted in "Stem Cells International" Journal in collaboration with DPSRU, New Delhi & NIPER - Kolkata

Dr. Nihar Ranjan and Ms. Surabhi Gupta published an Article entitled "Effect of the Standardized ZnO/ZnO-GO Filter Element Substrate driven Advanced Oxidation Process on Textile Industry EffluentStream: Detailed Analysis of Photocatalytic Degradation Kinetics" in collaboration with Dr. Shantanu Bhattacharya's group at IIT-Kanpur.

Dr. Gopal L. Khatik and his research team published a Review Article entitled "Advancements in synthesis and application of 1,5-Benzodiazepines A privileged scaffold with a wide scope of bioactivities" in Current Organic Chemistry

Research Team of Dr. Keerti Jain, Department of Pharmaceutics filed Patent "Amphotericin B-loaded zein-based formulation and its process of preparation"

Dr. Sandeep Chandrashekharappa and his research team published a book chapter entitled "Surfactant Sensors for Food Quality Monitoring" in Royal Society Of Chemistry.

UP Council of Science and Technology has Sanctioned one Research Project to Faculty of National Institute of Pharmaceutical Education and Research, Raebareli {PI : Dr. Rakesh Kumar Singh & Co-PI : Dr. Sandeep Chandrashekharappa}

Dr. Nihar Ranjan and Mr. Sachin Metangle published a research article entitled "Preferential Binding of a Red Emissive Julolidine Derivative to a Promoter G-quadruplex" in "ChemBioChem" Journal

Team of Department of Medicinal Chemistry and Department of Pharmacology & Toxicology for published a research article entitled "Cobalt perchlorate hexahydrate catalyzed one-pot synthesis of dihydropyrimidin-ones/- thiones through sono-chemistry and its mechanistic study using density functional theory calculations" in Journal of "Heterocyclic Chemistry".

Dr. Awesh K. Yadav's research group for published a Review Article entitled "Bioinspired Theranostic Quantum Dots: Paving the Road to a New Paradigm of Cancer Diagnosis and Therapeutics" in Drug Discovery Today (Elsevier).

Dr. Awesh K. Yadav's research group for published a Research Article entitled "Transferrin Functionalized Poloxamer-Chitosan Nanoparticles of Metformin: Physicochemical Characterization, In-vitro, and Ex-vivo Studies" in Drug Development & Industrial Pharmacy

Dr. Abha Sharma research group published Research article in Journal of Photochemistry & Photobiology, A: Chemistry entitled "Microwave-assisted green synthesis and photophysical properties of bis-heterocyclic fluorophores''

Dr. Sandeep Chandrashekharappa and his research team published a research paper entitled "One-Pot Construction of Novel Trifluoromethyl Dihydro-imidazo [1, 2-a]pyridine: A Greener Approach" in Tetrahedron, Elsevier

Team of Dr. Gopal Lal Khatik published A Review Article entitled "Exploration of Simple and Economic D-π-A-Chalcone in Selective Fe3+ Metal Sensing via PET Quenching Effect in Water as a Medium and Mechanistic Study using DFT Calculations"

ज्ञानवर्धन

दवाओं के विकास में भविष्य की तकनीक पर राष्ट्रीय सेनिमार आयोजित

लखनऊ स्थित नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (नाईपर), रायबरेली द्वारा शुक्रवार को दवाओं के विकास में भविष्य की तकनीक पर ज्ञानवर्धन करने के लिए राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में देश के अलग-अलग क्षेत्रों से आए 200 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। गोमतीनगर के हिल्टन गार्डन इन होटल में आयोजित इस कार्यक्रम में औषधीय क्षेत्र में जाने-माने विशेज्ञों द्वारा दवाओं के विकास में नवाचारों को बढ़ाने और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग पर चर्चा की गई।

जोडस एक्सपोम कंपनी के प्रेसिडेंट डॉ. तथागत दत्ता, ओर्टिव क्यू थ्री रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड के फाउंडर डायरेक्टर डा मुकेश कुमार, आईसीटी-मुंबई की फ्रोफेसर वंदना पत्रावले, कशिव बायोसाइंसेज एलएलसी के जनरल मैनेजर डॉ. वैभव दुबे, सीएसआईआर सीडीआरआई के सीनियर वैज्ञानिक डा अमित मिश्रा, सीएसआईआर-आईआईटीआर, लखनऊ के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. रामाकृष्णन पार्थसारथी सेमिनार में वक्ता के रूप में शामिल हुए।

सेमिनार में आए शोधकर्ताओं ने पोस्टर प्रजेंटेशन के जरिए नई तकनीकों, थेरेपी एवं मेडिकल डिवाइसेस को प्रदर्शित किया। सम्मेलन के अंत में नाईपर-रायबरेली की निदेशक प्रो. शुभिनी ए. सराफ ने सभी वक्ताओं एवं शोधकर्ताओं को धन्यवाद दिया।

संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न सम्मेलनों में व्याख्यान

■ डॉ. सबा नकवी, सहायक प्रोफेसर, ने 29 अक्टूबर को बेंगलुरु के जे.एन.टाटा ऑडिटोरियम, भारतीय विज्ञान संस्थान में दवा खोज और विकास पर आयोजित चौथी विश्व कांग्रेस में-2023 "दवा खोज और विकास में बायोइमेजिंग" टूल्स पर एक व्याख्यान दिया। डॉ. आभा शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर ने उसी कार्यक्रम में "अल्जाइमर रोधी एजेंट के रूप में पाइरिडोक्सिन आधारित डेरिवेटिव्स" पर एक व्याख्यान दिया।

■ औषधीय रसायन विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. संदीप चन्द्रशेखरप्पा ने जेएसएस एएचईआर, मैसूरु द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "नोवेल इंडोलिज़िन डेरिवेटिव्स - डिज़ाइन, सिंथेसिस और एंटी-ट्यूबरकुलर पोटेंशियल" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

■ डॉ. राहुल शुक्ला, डॉ. रविंदर कौंडल और डॉ. अशोक के. दतुसालिया ने एसआरएम चेन्नई में 14 से 16 दिसंबर, 2023 के दौरान आयोजित "इंडियन फार्माकोलॉजिकल सोसाइटी की 53वीं वार्षिक बैठक और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में आमंत्रित भाषण दिया।

तनाव प्रबंधन पर सत्र

हॉन्गकॉन्ग में ओकेमाइंड्स की सीईओ डॉ. निमिषा वंदन ने नाईपर-रायबरेली में "फार्मेसी छात्रों के बीच तनाव प्रबंधन और लचीलापन" पर बहुआयामी विचार प्रस्तुत किए। उनके सीधे दृष्टिकोण ने सत्र को आसानी से प्रासंगिक बना दिया, जिससे सभी उपस्थित लोगों पर एक सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

निदेशक ने PRIP पर अपने विचार साझा किये

Promoting Research and Innovation in the Pharmaceutical Sector

नाईपर-रायबरेली की निदेशक प्रोफेसर शुभिनी ए. सराफ ने फार्मास्युटिकल के क्षेत्र में तेजी से विकास के लिए लाई गई योजना प्रमोशन ऑफ रिसर्स ऐंड इन्नोवेशन प्रोग्राम (PRIP) के बारे में अपने विचार साझा किए।

पूर्ण लेख पढ़ें: https://shorturl.at/aboQ6

अन्य आयोजित कार्यक्रम

नाईपर-रायबरेली ने 29 नवंबर, 2023 को ''फ्लोरोसेंट सामग्रियों में अनुप्रयोग-आधारित हालिया प्रगति'' विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया।

संस्थान ने "प्रायोगिक अनुसंधान की गुणवत्ता और परिणाम में सुधार: प्रयोगशाला से जांचकर्ताओं के दृष्टिकोण के माध्यम से" विषय पर 6 दिवसीय प्रमाणपत्र सह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया।

नाईपर - रायबरेली ने 62वां राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह "रोगी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फार्मासिस्टों से जुड़ें" थीम के साथ मनाया।

3 दिवसीय प्लेसमेंट कार्यशाला

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर), रायबरेली में विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट की तैयारी पर 3 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। बीबीएयू से डॉ. लता बाजपेयी सिंह ने छात्र-छात्राओं को ट्रेनिंग दी।

सफलतायें

अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति

मनीषा पटेल, शिवानी और मयूर कपाडे ने लखनऊ विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल साइंसेज संस्थान में औषधि विकास और औषधि वितरण (सीडी4-2023) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में पुरस्कार जीते।

कार्यशाला में सर्वोत्तम भागीदारी

सालुमुरी वामसी वर्धन, एमएस (फार्मा) द्वितीय वर्ष (जैव प्रौद्योगिकी विभाग) को DST-STUTHI योजना के तहत 4 से 10 दिसंबर 2023 तक आईसीटी, मुंबई द्वारा आयोजित कार्यशाला में सर्वश्रेष्ठ भागीदारी के लिए प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह प्राप्त हुआ।

सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार

आयुष और मनस्विनी बेहरा ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बीएचयू), वाराणसी द्वारा आयोजित सम्मेलन "उन्नत कार्यात्मक सामग्री और सूचना विज्ञान (एएफएमआई-2023)" में पुरस्कार जीते।

कार्यशाला में चयन

औषधि विज्ञान विभाग के अंकित कुमार और प्रियंक अरोड़ा का डीएसटी बायोफिजिक्स विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित की गई कार्यशाला- "बॉयोलॉजी मीट्स नैनोटेक्नॉलजी: अ फ्रूटफुल अमैल्गमेशन फॉर रिसर्च एडवांसमेंट" में चयन हुआ।

मौखिक प्रस्तुति में द्वितीय

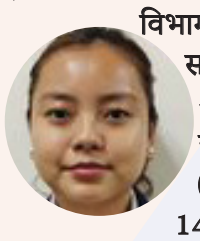

रीना सुब्बा, द्वितीय वर्ष एम.एस. (फार्मा) (फार्माकोलॉजी और टॉक्सिकोलॉजी विभाग) ने फार्मास्युटिकल साइंस विभाग, असम डाउन टाउन यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी (असम) द्वारा 13 और 14 अक्टूबर 2023 को आयोजित 'एडीटीयू फार्माकॉन 2.0' अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति में द्वितीय पुरस्कार जीता।

मीडिया में नाईपर

जनजातीय समुदाय द्वारा उपयोग की जाने वाली औषधियां प्रस्तुत कीं

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के सरोजिनी नगर स्थित नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (नाईपर), रायबरेली के ट्रांजिट कैंपस में जनजातीय गौरव दिवस के अंतर्गत सप्ताह भर चले समारोह में कई कार्यक्रम आयोजित किये गए। संस्थान के छात्र-छात्राओं द्वारा जनजातीय समुदाय द्वारा उपयोग किये जाने वाले औषधीय पौधे और औषधियों की प्रस्तुति दी गई।

विशेषकर उत्तरी भारत के आदिवासी क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाली औषधियों पर प्रस्तुति देकर एम.एस. फार्म (रेग्युलेटरी टॉक्सिकॉलजी) की स्टूडेंट प्राजक्ता घुमे ने इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। समारोह के तहत 'आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें एम.एस. फार्म (बायोटेक्नॉलजी) की स्टूडेंट दीपाली डोंगरे ने आदिवासी क्रांतिवीर बाबुराव शेडमाके के जीवन संघर्ष पर प्रस्तुति देकर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। इसके साथ ही पोस्टर प्रतियोगिता के तहत विद्यार्थियों ने आदिवासी समुदाय के बलिदान एवं जीवनशैली को प्रदर्शित किया। जनजातीय गौरव समारोह के साथ-साथ नाईपर के विद्यार्थियों ने 62वां राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह भी मनाया। पीएचजी एवं पीजी प्रोग्राम के विद्यार्थियों ने फार्मेसी पेशे में बरती जाने वाली सावधानियों पर प्रजेंटेशन दिया, ताकि आम लोगों द्वारा दवाओं का सुरक्षित इस्तेमाल किया जा सके। नाईपर- रायबरेली की डायरेक्टर प्रोफेसर शुभिनी ए. सराफ ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी।

जनजाति गौरव सम्मान समारोह आयोजित

जनजाति गौरव दिवस पर उपस्थित नाइपर की डायरेक्टर व शोधकर्ता।

रायबरेली (एसएनबी)। जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को मान देने के लिए इस वर्ष केंद्रीय जनजाति कार्य मंत्रालय ने 15 से 26 नवंबर तक जनजातीय गौरव समारोह मनाने का फैसला किया था। ज्ञातव्य हो कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम को संथाल, तमाड़, कोल, भील, खासी और मिजो जैसे जनजाति समुदायों के नेतृत्व में कई आंदोलनों द्वारा मजबूती दी गई थी। इन्हीं को सम्मान देने को लखनऊ के सरोजिनी नगर स्थित नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (नाईपर) रायबरेली के ट्रांजिट कैंपस में जनजातीय गौरव दिवस के अंतर्गत

सप्ताह भर चले समारोह में कई कार्यक्रम आयोजित किये गए। संस्थान के छात्र-छात्राओं द्वारा जनजातीय समुदाय द्वारा उपयोग किये जाने वाले औषधीय पौधे और औषधियों की प्रस्तुति दी गई। विशेषकर उत्तरी भारत के आदिवासी क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाली औषधियों पर प्रस्तुति देकर एम.एस. फार्म (रेग्युलेटरी टक्सिकलॉजी) की स्टूडेंट प्राजक्ता घुमे ने इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। समारोह के तहत आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें एम.एस. फार्म (बायोटेक्नलजी) की स्टूडेंट दीपाली डोंगरे ने आदिवासी क्रांतिवीर बाबुराव शेडमाके के जीवन संघर्ष पर प्रस्तुति देकर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने आदिवासी समुदाय के बलिदान एवं जीवनशैली को प्रदर्शित किया। जनजातीय गौरव समारोह के साथ-साथ नाईपर के विद्यार्थियों ने 62वां राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह भी मनाया। नाईपर-रायबरेली की डायरेक्टर प्रोफेसर शुभिनी ए. सर्राफ ने प्रतिभागियों को बधाई दी।

औषधीय पौधे और औषधियों की प्रस्तुति

लखनऊ। सरोजनीनगर स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (नाईपर), रायबरेली के ट्रांजिट कैंपस में रविवार को जनजातीय गौरव दिवस समारोह मनाया गया। इस मौके पर जनजातीय समुदाय द्वारा उपयोग किए जाने वाले औषधीय पौधे और औषधियों की प्रस्तुति दी गई। उत्तरी भारत के आदिवासी क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाली औषधियों पर प्रस्तुति देकर एमएस फार्म (रेग्युलेटरी टॉक्सिकॉलजी) की स्टूडेंट प्राजक्ता घुमे ने इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। इसी तरह आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों पर भाषण प्रतियोगिता में दीपाली डोंगरे ने आदिवासी क्रांतिवीर बाबुराव शेडमाके के जीवन संघर्ष पर प्रस्तुति देकर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। नाईपर-रायबरेली की डायरेक्टर प्रोफेसर शुभिनी ए. सराफ ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। (माई सिटी रिपोर्टर)

अमर उजाला, लखनऊ

अमर उजाला my city लखनऊ सिटी लखनऊ | शनिवार • 23.12.2023 amarujala.com/lucknow 2

दवाओं के विकास में हो एआई का उपयोग

माई सिटी रिपोर्टर

नाईपर लखनऊ में राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

लखनऊ। देश में आए दिन नई बीमारियां जन्म ले रही हैं। इसके लिए दवाएं तलाशने का काम भी जोरों पर है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के माध्यम से इसे आसान बनाया जा सकता है। लखनऊ स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (नाईपर), रायबरेली की ओर से स्थानीय होटल में आयोजित सेमिनार में विशेषज्ञों ने यह बात कही।

नाईपर की निदेशक प्रो. शुभिनी ए. सराफ ने कहा कि दवा अनुसंधान में एआई का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया जा सकता है। बीमारियों के संपूर्ण इलाज में आने वाली चुनौतियों को नेक्स्ट जनरेशन तकनीक का इस्तेमाल कर खत्म किया जा सकता है। सेमिनार में शोधकर्ताओं ने पोस्टर प्रजेंटेशन के जरिए नई तकनीकों, थेरेपी एवं मेडिकल डिवाइसेस को प्रदर्शित किया।

इस मौके पर डॉ. तथागत दत्ता, डॉ. मुकेश कुमार, प्रो. वंदना पत्रावले, डॉ. वैभव दुबे, डॉ. अमित मिश्रा व डॉ. रामाकृष्णन पार्थसारथी मौजूद रहे।

अमर उजाला, लखनऊ

नवभारत टाइम्स। कानपुर (कानपुर व लखनऊ में एक साथ प्रसारित)। शनिवार, 23 दिसंबर 2023 9

'दवा के शोध में भी एआई का हो रहा प्रयोग'

■ एनबीटी सं, लखनऊः नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (नाईपर) की ओर से शुक्रवार को गोमतीनगर के एक होटल में दवा पर शोध के लिए सेमिनार हुआ। इसमें आईसीटी मुंबई की प्रो वंदना पत्रावले कहा कि अब दवा पर शोध में भी आर्टीफिशल इंटेलिजेंस (एआई) का प्रयोग हो रहा है। बीमारियों के संपूर्ण इलाज में आने वाली चुनौतियों को आधुनिक नेक्स्ट जनरेशन तकनीक के इस्तेमाल से खत्म किया जा सकता है। नाइपर की निदेशक प्रो. शुभिनी ए. सराफ ने बताया कि सेमिनार में करीब 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

नवभारत टाइम्स , लखनऊ

दवाओं के विकास की तकनीक पर सेमिनार

प्रदर्शनी का अवलोकन करतीं मुख्य अतिथि।

रायबरेली (एसएनबी)। लखनऊ स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (नाईपर) द्वारा शुक्रवार को दवाओं के विकास में भविष्य की तकनीक पर ज्ञानवर्धन करने के लिए राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में देश के अलग-अलग क्षेत्रों से आए 200 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में औषधीय क्षेत्र में जाने-माने विशेज्ञों द्वारा दवाओं के विकास में नवाचारों को बढ़ाने और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग पर चर्चा की गई। जोडस एक्सजोम कंपनी के प्रेसिडेंट डा. तथागत दत्ता, ऑर्टिव क्यू थ्री रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड के फाउंडर डायरेक्टर डा. मुकेश कुमार, आईसीटी-मुंबई की प्रोफेसर वंदना फत्रावले, कशिव बायोसाईंसेज एलाएलसी के जनरल मैनेजर डा. वैभव दुबे, सीएसआईआर सीडीआरआई के सीनियर वैज्ञानिक डा. अमित मिश्रा, सीएसआई आर - आईआईटीआर लखनऊ के मुख्य वैज्ञानिक डा. रामाकृष्णन पार्थसारथी सेमिनार में वक्ता के रूप में शामिल हुए। इस सेमिनार में दवा विकास तकनीक में होने वाली प्रगति की जानकारी दी गई।

वक्ताओं ने बताया कि दवा अनुसंधान में एआई का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया जा सकता है। बीमारियों के संपूर्ण इलाज में आने वाली चुनौतियों को आधुनिक नेक्स्ट जनरेशन तकनीक का इस्तेमाल करते हुए खत्म किया जा सकता है। सेमिनार में आए शोधकर्ताओं ने पोस्टर प्रजेंटेशन के जरिए नई तकनीकों, थेरेपी एवं मेडिकल डिवाइसेस को प्रदर्शित किया। सम्मेलन के अंत में नाईपर रायबरेली की निदेशक प्रो. शुभिनी ए. सराफ ने सभी वक्ताओं एवं शोधकर्ताओं को धन्यवाद दिया।

नाईपर के चार शिक्षकों को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान

डा. राकेश सिंह

डा. कीर्ति जैन

डा. संदीप चौधरी

डा. राहुल शुक्ला

जासं, लखनऊः दवा अनुसंधान और शिक्षा के क्षेत्र में देश के सर्वोच्च संस्थानों में शामिल नाईपर रायबरेली के चार शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। यहां से तीन शिक्षकों ने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय की शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की प्रतिष्ठित वैश्विक सूची में स्थान बनाया है। इनमें फार्माकोलाजी व टाक्सिकोलाजी विभाग के एसोसिएट प्रो. राकेश सिंह, फार्मा के सहायक प्रो. कीर्ति जैन और असिस्टेंट प्रो. राहुल शुक्ला शामिल हैं। नाईपर रायबरेली के डीन डा. संदीप चौधरी को पर्म स्टेट यूनिवर्सिटी रूस से मानद प्रोफेसर की उपाधि मिली है। 10 वर्षों से अधिक समय से कई रिसर्च परियोजनाओं पर कार्य कर रहे हैं। अल्जाइमर रोग के इलाज के लिए नए बायो एक्टिव माल्यूकुल के विकास की दिशा में भारत और रूस के बीच सहयोग को और बढ़ाया है। साथ ही कई देशों की वैज्ञानिक टीम साथ कैंसर रोधी कीमोथेरेपी के क्षेत्र में नई दवाओं की खोज पर भी शोध किया है।

दैनिक जागरण, लखनऊ संस्करण

नाइपर की फैकल्टी ने बनाई अंतरराष्ट्रीय पहचान

लखनऊ। नाइपर रायबरेली की लखनऊ स्थित इकाई के चार फैकल्टी मेंबर्स ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल की है। तीन शिक्षकों ने स्टैनफोर्ड विवि की शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में स्थान पाया है। इनमें फार्माकोलॉजी एवं टॉक्सिकोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राकेश सिंह, फार्मास्युटिक्स की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कीर्ति जैन व असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राहुल शुक्ला शामिल हैं। इसी तरह एक और शिक्षक ने उपलब्धि हासिल की है। नाइपर की डायरेक्टर प्रो. शुभिनी ए. सराफ ने कहा, यह उपलब्धि संस्थान में अपनाए गए शोध मानकों को दर्शाती है।

अमर उजाला, लखनऊ संस्करण

Compiled and Designed By

Public Relations Cell
NIPER, Raebareli
Mob. 8375096753
Email. pr.officer@niperrbl.ac.in

Follow NIPER, Raebareli on

Chief Patron

Prof. Shubhini A. Saraf,
Director

Editorial Team

Dr. Jai Narain,
Registrar

Dr. Sandeep Chaudhary
Dean

Anurag Singh
Public Relations Officer

For any suggestions, please contact us at: pr.officer@niperrbl.ac.in